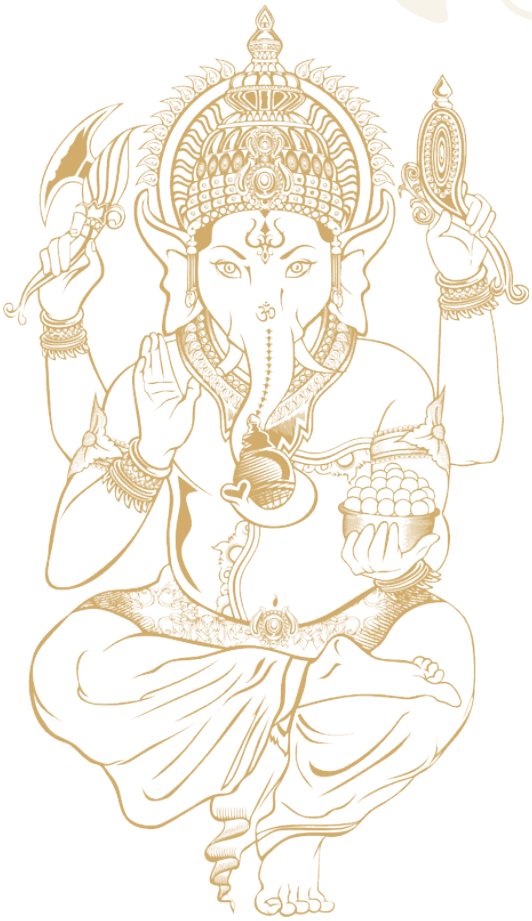

# Ranvir Singh

17 Jan 1979

10:30 AM

Daltenganj

**Model: Varshphal-2017**

**Order No: 120739601**

**तिथि** 17/01/1979 **समय** 10:30:00 **वार** बुधवार **स्थान** Daltenganj **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:33:50
**अक्षांश** 24:02:00 उत्तर **रेखांश** 84:04:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:06:16 घंटे

| पंचांग | | अवकहड़ा चक्र | |
|---|---|---|---|
| साम्पातिक काल | 18:20:23 घं | गण | मनुष्य |
| वेलान्तर | 00:09:55 घं | योनि | मूषक |
| सूर्योदय | 06:38:59 घं | नाड़ी | मध्य |
| सूर्यास्त | 17:28:28 घं | वर्ण | क्षत्रिय |
| चैत्रादि संवत | 2035 | वश्य | वनचर |
| शक संवत | 1900 | वर्ग | मूषक |
| मास | माघ | युँजा | मध्य |
| पक्ष | कृष्ण | हंसक | अग्नि |
| तिथि | 4 | जन्म नामाक्षर | मो-मोहन |
| नक्षत्र | पू०फाल्गुनी | पाया(रा.-न.) | स्वर्ण-रजत |
| योग | सौभाग्य | होरा | गुरु |
| करण | बालव | चौघड़िया | काल |

**विंशोत्तरी**
**शुक्र 17वर्ष 2मा 1दि**
**राहु**
**21/03/2019**
**20/03/2037**

| | |
|---|---|
| राहु | 01/12/2021 |
| गुरु | 26/04/2024 |
| शनि | 02/03/2027 |
| बुध | 19/09/2029 |
| केतु | 07/10/2030 |
| शुक्र | 07/10/2033 |
| सूर्य | 01/09/2034 |
| चन्द्र | 02/03/2036 |
| मंगल | 20/03/2037 |

**योगिनी**
**उल्का 5वर्ष 1मा 24दि**
**सिद्धा**
**13/03/2020**
**13/03/2027**

| | |
|---|---|
| सिद्धा | 23/07/2021 |
| संकटा | 11/02/2023 |
| मंगला | 23/04/2023 |
| पिंगला | 12/09/2023 |
| धान्या | 12/04/2024 |
| भ्रामरी | 21/01/2025 |
| भद्रिका | 11/01/2026 |
| उल्का | 13/03/2027 |

| ग्रह | व | अ | अंश | राशि | नक्षत्र | पद | स्वामी | अं. | स्थिति | षट्बल | चर | स्थिर | ग्रह तारा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | 13:18:40 | मीन | उ०भाद्रपद | 3 | शनि | राहु | --- | 0:00 | | | |
| सूर्य | | | 02:54:58 | मक | उत्तराषाढ़ा | 2 | सूर्य | गुरु | शत्रु राशि | 1.25 | कलत्र | पितृ | सम्पत |
| चंद्र | | | 15:13:07 | सिंह | पू०फाल्गुनी | 1 | शुक्र | शुक्र | मित्र राशि | 0.98 | मातृ | मातृ | जन्म |
| मंगल | | अ | 03:42:06 | मक | उत्तराषाढ़ा | 3 | सूर्य | शनि | उच्च राशि | 0.88 | ज्ञाति | भ्रातृ | सम्पत |
| बुध | | | 18:38:30 | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 2 | शुक्र | राहु | सम राशि | 1.18 | अमात्य | ज्ञाति | जन्म |
| गुरु | व | | 11:27:57 | कर्क | पुष्य | 3 | शनि | चंद्र | उच्च राशि | 1.47 | पुत्र | धन | वध |
| शुक्र | | | 16:04:08 | वृश्चि | अनुराधा | 4 | शनि | गुरु | सम राशि | 1.02 | भ्रातृ | कलत्र | वध |
| शनि | व | | 19:52:55 | सिंह | पू०फाल्गुनी | 2 | शुक्र | राहु | शत्रु राशि | 0.96 | आत्मा | आयु | जन्म |
| राहु | व | | 24:59:04 | सिंह | पू०फाल्गुनी | 4 | शुक्र | बुध | शत्रु राशि | | --- | ज्ञान | जन्म |
| केतु | व | | 24:59:04 | कुंभ | पू०भाद्रपद | 2 | गुरु | बुध | शत्रु राशि | | --- | मोक्ष | साधक |

## लग्न-चलित

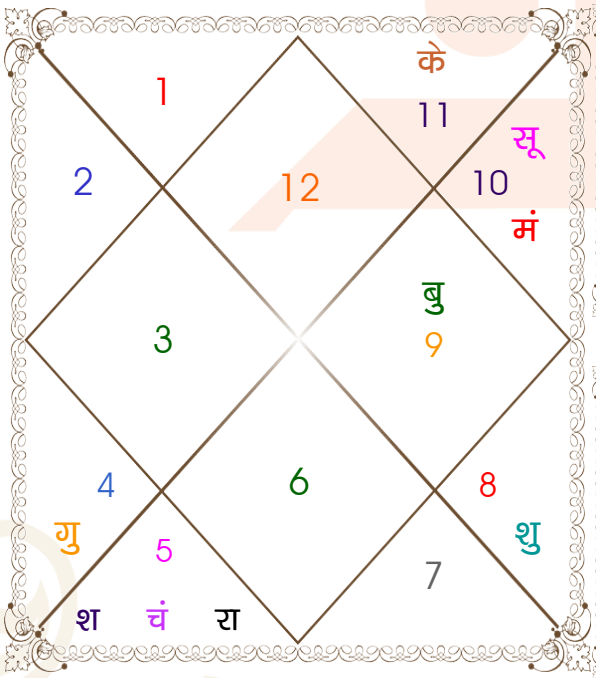


## चन्द्र कुंडली

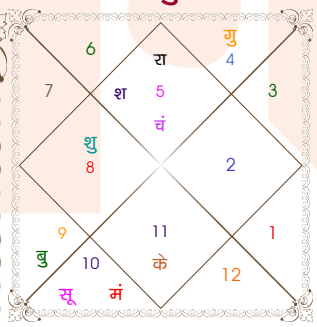


## नवमांश कुंडली

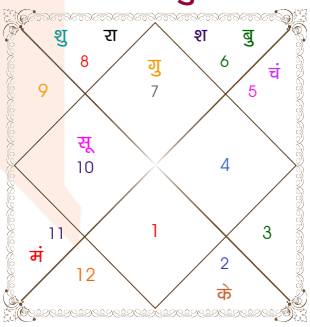


## सर्वाष्टकवर्ग

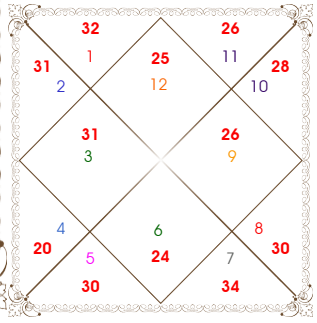


## दशमांश कुंडली

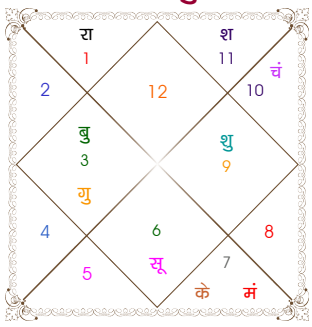

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

# अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से आप परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति कर सकते है। साथ ही मानसिक स्थिति में यदा कदा अशान्ति तथा व्याकुलता रहेगी। शत्रु पक्ष इस समय आपके लिए समय समय पर समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे परन्तु आप दृढ़ता से उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें तनाव तथा कलह का भाव विद्यमान रहेगा । स्त्री से भी इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा अतः दामपत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति रहेगी। मित्र या संबंधियों से भी संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। साथ ही विगत रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प भी इस वर्ष अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे इसके अतिरिक्त आर्थिक स्थिति में भी विशेष सुदृढ़ता नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष शील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से ही आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ भी सामान्य ही रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी सामान्य ही रहेगा तथा सुखोभोग भी अल्प ही रहेगा। अतः विशेष शुभ फलों की प्राप्ति के लिए परिश्रमशील रहें आपको मध्यम फल ही प्राप्त होंगे।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।

# अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको समय समय पर वांछित सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। इस समय भाइयों से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा उनके मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी ।साथ ही आप उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपको सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे । इस समय आप नवीन कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी। साथ ही संतति पक्ष से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने अपने क्षेत्र में वे सफलता अर्जित करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग तथा राजनैतिक व्यक्तियों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा इनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर होंगे तथा व्यापारिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारम्भ कर सकते है । आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्योदय कारक रहेगा तथा प्रसन्नतापूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।

# प्रथम मास

## 17/01/2025 05:39:57 से 15/02/2025 19:12:55 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 17:08:49 |
| सूर्य | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | सिंह | मघा | 09:39:43 |
| मंगल | व | कर्क | पुनर्वसु | 01:38:41 |
| बुध | | धनु | पूर्वाषाढ़ा | 18:23:15 |
| गुरु | व | वृष | रोहिणी | 17:38:45 |
| शुक्र | | कुम्भ | शतभिषा | 19:55:04 |
| शनि | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 21:41:13 |
| राहु | व | मीन | उ०भाद्रपद | 04:59:28 |
| केतु | व | कन्या | उ०फाल्गुनी | 04:59:28 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 13:18:40 |

**मासाधिपति**

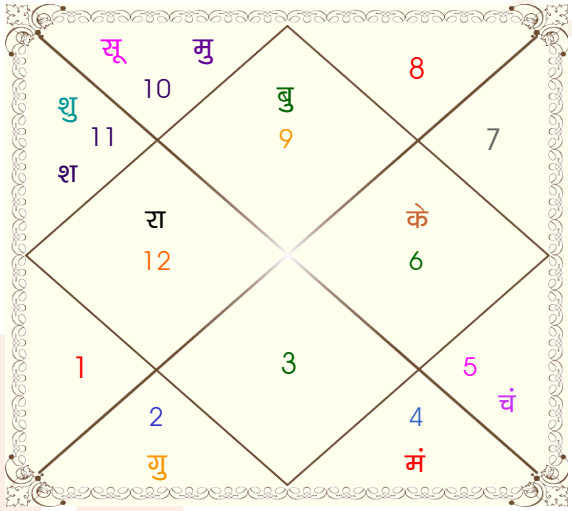


**मासाधिपति :** शनि

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा समाज से आपको पूर्ण यश तथा मान प्राप्त होगा।साथ ही अपने समस्त बन्धुओं तथा मित्रों से आप पूर्ण प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस समय उच्चाधिकरी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा मिष्ठान्न का अधिक मात्रा में उपभोग करने में रूचिशील रहेंगे।आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की उसमें वृद्धि होगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुखोपभोग में व्यतीत करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी आपसे पराजित होगे एवं स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त व्यापार मेंभी आप लाभ अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे एवं बुद्धि में निर्मलता का भी समावेश होगा। इसके अतिरिक्त आप प्रचुर मात्रा में धनलाभ अर्जित करेंगे तथा सुखपूर्वक धर्मानुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

# द्वितीय मास

## 15/02/2025 19:12:55 से 17/03/2025 17:07:47 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 22:40:20 |
| सूर्य | | कुम्भ | धनिष्ठा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 06:46:46 |
| मंगल | व | मिथुन | पुनर्वसु | 23:16:07 |
| बुध | | कुम्भ | शतभिषा | 07:44:58 |
| गुरु | | वृष | रोहिणी | 17:16:48 |
| शुक्र | | मीन | उ०भाद्रपद | 12:49:02 |
| शनि | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 24:52:00 |
| राहु | | मीन | उ०भाद्रपद | 03:21:42 |
| केतु | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 03:21:42 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 15:48:40 |

**मासाधिपति**

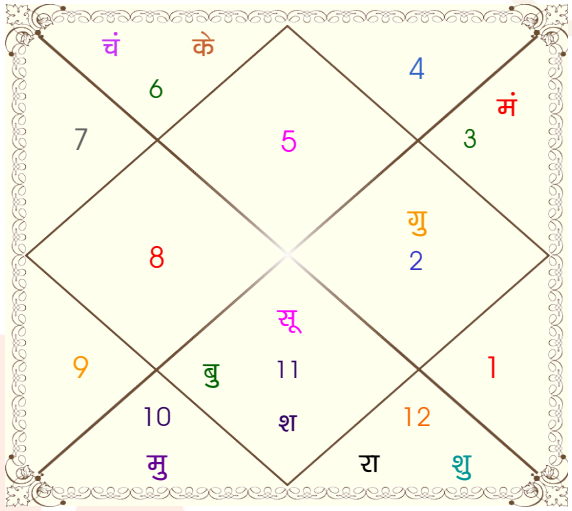


**मासाधिपति :** गुरु

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

# तृतीय मास

## 17/03/2025 17:07:47 से 17/04/2025 02:51:38 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 21:02:10 |
| सूर्य | | मीन | पू०भाद्रपद | 02:54:58 |
| चन्द्र | | तुला | स्वाति | 07:49:21 |
| मंगल | | मिथुन | पुनर्वसु | 25:21:39 |
| बुध | व | मीन | उ०भाद्रपद | 15:02:38 |
| गुरु | | वृष | रोहिणी | 19:44:36 |
| शुक्र | व | मीन | उ०भाद्रपद | 11:50:29 |
| शनि | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 28:30:35 |
| राहु | व | मीन | पू०भाद्रपद | 03:10:54 |
| केतु | व | कन्या | उ०फाल्गुनी | 03:10:54 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 18:18:40 |

**मासाधिपति**

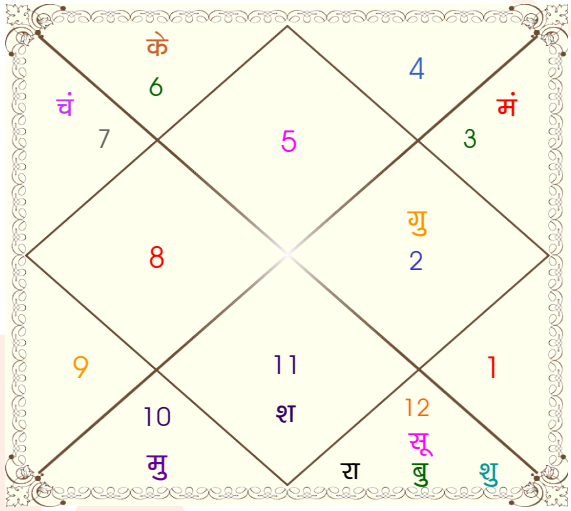


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है ।अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रुधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

# चतुर्थ मास

## 17/04/2025 02:51:38 से 18/05/2025 00:48:40 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कुम्भ | शतभिषा | 08:55:21 |
| सूर्य | | मेष | अश्विनी | 02:54:58 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | अनुराधा | 15:08:11 |
| मंगल | | कर्क | पुष्य | 05:15:39 |
| बुध | | मीन | उ०भाद्रपद | 06:13:28 |
| गुरु | | वृष | मृगशिरा | 24:27:17 |
| शुक्र | | मीन | पू०भाद्रपद | 00:42:08 |
| शनि | | मीन | पू०भाद्रपद | 02:07:42 |
| राहु | व | मीन | पू०भाद्रपद | 02:50:09 |
| केतु | व | कन्या | उ०फाल्गुनी | 02:50:09 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 20:48:40 |

**मासाधिपति**

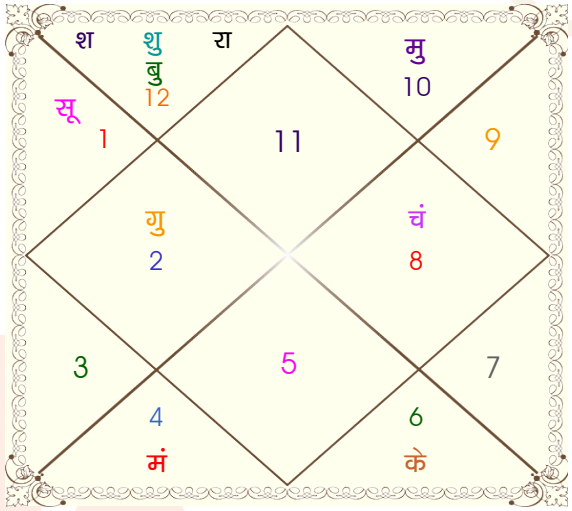


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

# पंचम् मास
## 18/05/2025 00:48:40 से 18/06/2025 08:01:53 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कुम्भ | शतभिषा | 08:34:31 |
| सूर्य | | वृष | कृतिका | 02:54:58 |
| चन्द्र | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 00:23:46 |
| मंगल | | कर्क | आश्लेषा | 19:29:06 |
| बुध | | मेष | भरणी | 18:56:02 |
| गुरु | | मिथुन | मृगशिरा | 00:39:47 |
| शुक्र | | मीन | रेवती | 17:54:14 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 05:12:06 |
| राहु | व | मीन | पू०भाद्रपद | 00:56:17 |
| केतु | व | कन्या | उ०फाल्गुनी | 00:56:17 |
| मुंथा | | मकर | श्रवण | 23:18:40 |

**मासाधिपति**

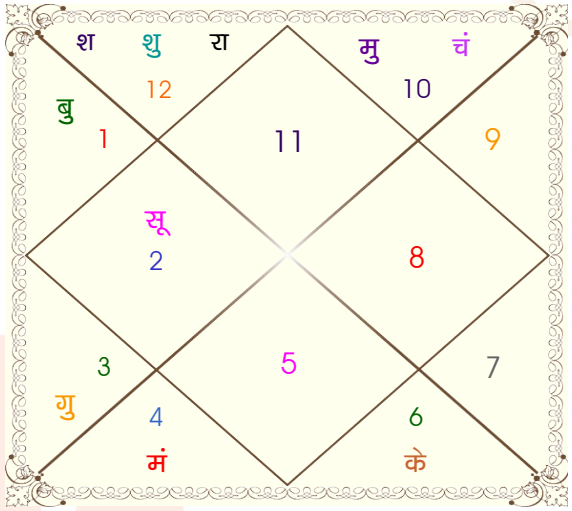


**मासाधिपति :** गुरु

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त मध्यम रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के साथ में रहेंगे अतः आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ तथा दुर्बल रहेंगे। इस मास में अत्यधिक परिश्रम के पश्चात भी आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि होती रहेगी तथा मित्रों एवं संबधियो से भी मधुर संबध नहीं रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः महिला सहयोगियों से आप लाभार्जन करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी फलतः उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही समाज एवं सामाजिक जनों से भी आप यश एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

# षष्ठ मास

## 18/06/2025 08:01:53 से 19/07/2025 18:52:40 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुष्य | 10:53:30 |
| सूर्य | | मिथुन | मृगशिरा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 23:58:19 |
| मंगल | | सिंह | मघा | 06:12:19 |
| बुध | | मिथुन | पुनर्वसु | 22:46:55 |
| गुरु | | मिथुन | आर्द्रा | 07:39:33 |
| शुक्र | | मेष | भरणी | 17:57:41 |
| शनि | | मीन | उ०भाद्रपद | 07:11:52 |
| राहु | व | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 28:02:50 |
| केतु | व | सिंह | उ०फाल्गुनी | 28:02:50 |
| मुंथा | | मकर | धनिष्ठा | 25:48:40 |

**मासाधिपति**

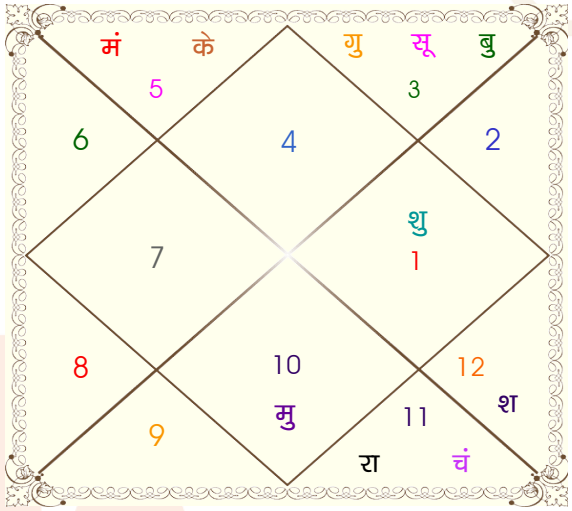


**मासाधिपति : शुक्र**

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

# सप्तम् मास

## 19/07/2025 18:52:40 से 20/08/2025 02:37:21 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 06:34:06 |
| सूर्य | | कर्क | पुनर्वसु | 02:54:58 |
| चन्द्र | | मेष | भरणी | 23:14:14 |
| मंगल | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 24:30:35 |
| बुध | व | कर्क | आश्लेषा | 21:17:07 |
| गुरु | | मिथुन | आर्द्रा | 14:46:58 |
| शुक्र | | वृष | रोहिणी | 22:28:43 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 07:41:07 |
| राहु | व | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 25:32:15 |
| केतु | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 25:32:15 |
| मुंथा | | मकर | धनिष्ठा | 28:18:40 |

**मासाधिपति**

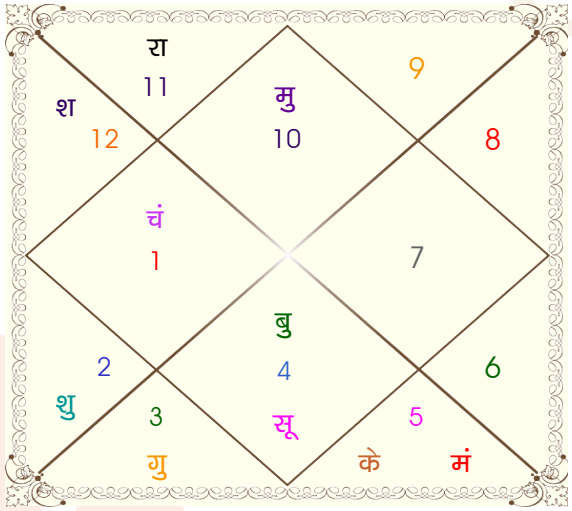


**मासाधिपति :** शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

# अष्टम् मास
## 20/08/2025 02:37:21 से 20/09/2025 01:28:16 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मिथुन | पुनर्वसु | 24:06:28 |
| सूर्य | | सिंह | मघा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | मिथुन | पुनर्वसु | 20:51:39 |
| मंगल | | कन्या | हस्त | 13:54:18 |
| बुध | | कर्क | पुष्य | 14:21:31 |
| गुरु | | मिथुन | पुनर्वसु | 21:22:38 |
| शुक्र | | मिथुन | पुनर्वसु | 28:52:40 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 06:34:44 |
| राहु | व | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 24:14:24 |
| केतु | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 24:14:24 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 00:48:40 |

**मासाधिपति**

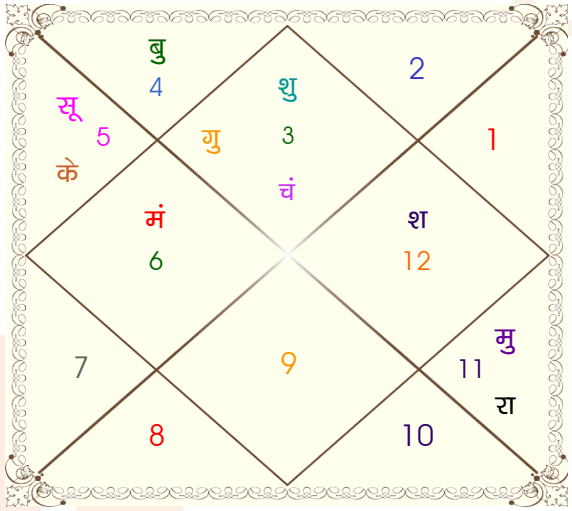


**मासाधिपति :** शनि

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

# नवम् मास
## 20/09/2025 01:28:16 से 20/10/2025 12:13:19 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कर्क | पुष्य | 05:38:50 |
| सूर्य | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 02:54:58 |
| चन्द्र | | सिंह | मघा | 09:49:28 |
| मंगल | | तुला | चित्रा | 04:06:30 |
| बुध | | कन्या | उ०फाल्गुनी | 08:17:20 |
| गुरु | | मिथुन | पुनर्वसु | 26:44:33 |
| शुक्र | | सिंह | मघा | 06:09:19 |
| शनि | व | मीन | उ०भाद्रपद | 04:24:06 |
| राहु | | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 24:09:11 |
| केतु | | सिंह | पू०फाल्गुनी | 24:09:11 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 03:18:40 |

**मासाधिपति**

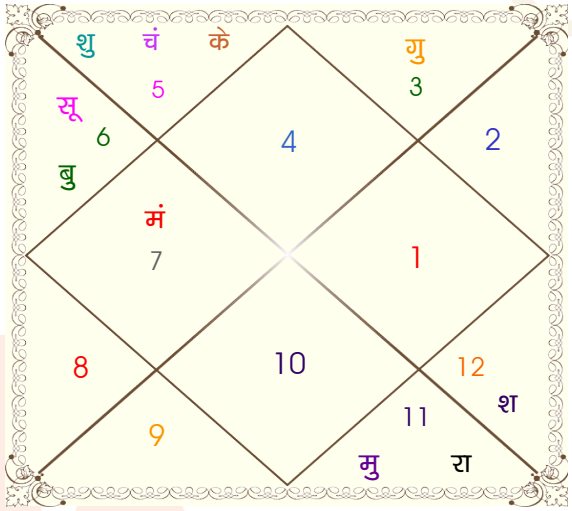


**मासाधिपति :** मंगल

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

# दशम् मास
## 20/10/2025 12:13:19 से 19/11/2025 11:00:45 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | धनु | उत्तराषाढ़ा | 27:42:12 |
| सूर्य | | तुला | चित्रा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | कन्या | हस्त | 19:17:16 |
| मंगल | | तुला | विशाखा | 24:57:55 |
| बुध | | तुला | विशाखा | 24:57:43 |
| गुरु | | कर्क | पुनर्वसु | 00:07:25 |
| शुक्र | | कन्या | हस्त | 13:43:34 |
| शनि | व | मीन | पू०भाद्रपद | 02:12:13 |
| राहु | व | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 23:42:08 |
| केतु | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 23:42:08 |
| मुंथा | | कुम्भ | धनिष्ठा | 05:48:40 |

**मासाधिपति**

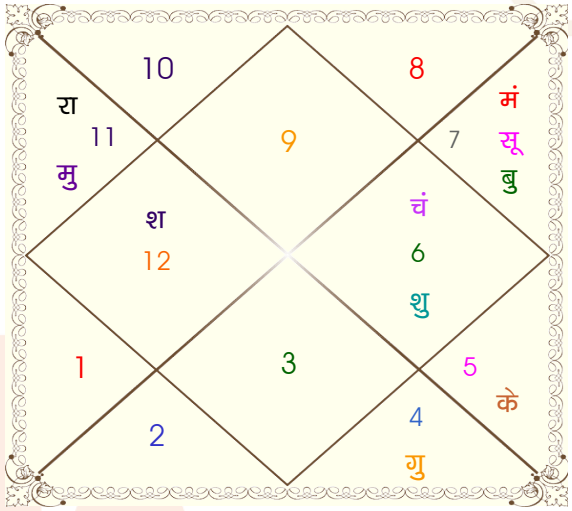


**मासाधिपति :** शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

# एकादश मास
## 19/11/2025 11:00:45 से 19/12/2025 01:05:04 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | मकर | उत्तराषाढ़ा | 09:45:16 |
| सूर्य | | वृश्चिक | विशाखा | 02:54:58 |
| चन्द्र | | तुला | विशाखा | 21:29:43 |
| मंगल | | वृश्चिक | अनुराधा | 16:24:29 |
| बुध | व | वृश्चिक | अनुराधा | 05:39:34 |
| गुरु | व | कर्क | पुनर्वसु | 00:50:17 |
| शुक्र | | तुला | विशाखा | 21:11:15 |
| शनि | व | मीन | पू०भाद्रपद | 01:00:34 |
| राहु | व | कुम्भ | पू०भाद्रपद | 21:26:55 |
| केतु | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 21:26:55 |
| मुंथा | | कुम्भ | शतभिषा | 08:18:40 |

**मासाधिपति** : मंगल

**मासाधिपति**

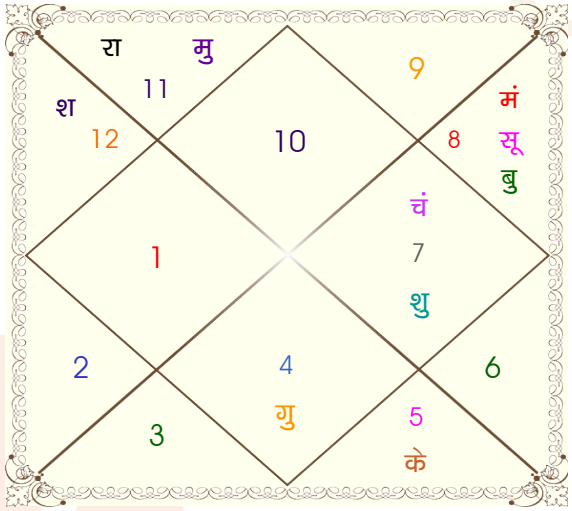


इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्ठान्न के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे।स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

# द्वादश मास
## 19/12/2025 01:05:04 से 17/01/2026 11:49:01 तक

| ग्रह | व | राशि | नक्षत्र | अंश |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | | कन्या | हस्त | 19:54:38 |
| सूर्य | | धनु | मूल | 02:54:58 |
| चन्द्र | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 19:08:16 |
| मंगल | | धनु | मूल | 08:25:26 |
| बुध | | वृश्चिक | अनुराधा | 14:56:53 |
| गुरु | व | मिथुन | पुनर्वसु | 28:44:35 |
| शुक्र | | वृश्चिक | ज्येष्ठा | 28:23:29 |
| शनि | | मीन | पू०भाद्रपद | 01:19:04 |
| राहु | व | कुम्भ | शतभिषा | 18:00:46 |
| केतु | व | सिंह | पू०फाल्गुनी | 18:00:46 |
| मुंथा | | कुम्भ | शतभिषा | 10:48:40 |

**मासाधिपति**

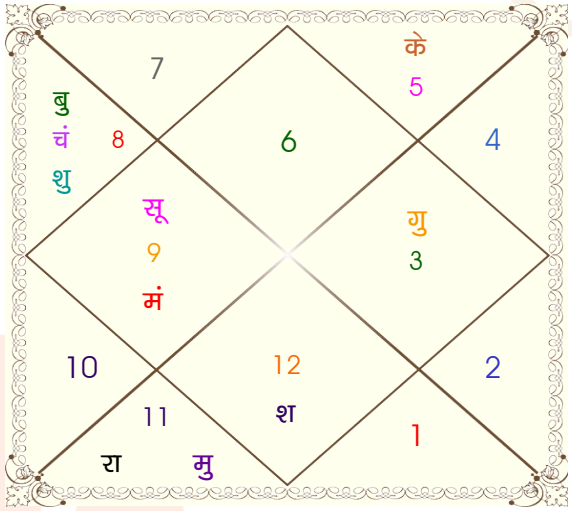


**मासाधिपति :** बुध

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।